# चीता परियोजना

### समाचार में क्यों?

- चीता परियोजना संचालन समिति (दिसंबर 2023–अप्रैल 2025) की बैठकों की जानकारी से पता चला कि कुछ प्रस्तावों पर चर्चा की गई थी, जैसे कि:
  - पुराने, प्रजनन में अक्षम चीतों को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित करना,
  - भोपाल के वन विहार ज़ू में सरोगेसी/आईवीएफ कार्यक्रम शुरू करना,
  - आगरा से कूनो में ब्लैकबक को स्थानांतरित कर चीतों के लिए आपातकालीन शिकार उपलब्ध कराना।
  - हालांकि, ये सभी योजनाएँ केवल विचार स्तर पर ही रहीं और इन्हें लागू करने की कोई मंज़ूरी नहीं दी गई — यह बात आधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट की।

### क्या है प्रोजेक्ट चीता?

- भारत सरकार द्वारा शुरू की गई यह पहल **अफ्रीकी चीता** (Acinonyx jubatus jubatus) को भारत के जंगलों में दोबारा बसाने की कोशिश है। यह दुनिया की पहली ऐसी परियोजना है जिसमें किसी बड़े मांसाहारी को एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप में स्थानांतरित किया गया है। इसका लक्ष्य सिर्फ प्रजाति की वापसी नहीं, बल्कि भारत के घास के मैदानों में पारिस्थितिक संतुलन बहाल करना और स्थानीय समुदायों की आजीविका को बढ़ावा देना भी है।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

### भारत में चीता लाने की वजह – इसका आधार:

- भारत में विलुप्ति:एशियाई चीता (A. j. venaticus) को 1952में भारत में विलुप्त घोषित कर दिया गया था; आखिरी शिकार 1947 में दर्ज हुआ।
- पारिस्थितिक भूमिका:चीता एक शीर्ष शिकारी है, जो घास के मैदानों में शिकारों की संख्या को संतुलित रखता है, जिससे पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होता है।
- पर्यावरणीय कूटनीति:यह परियोजना नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ हुए समझौतों पर आधारित है और चीता संरक्षण फंड (CCF) के सहयोग से चल रही है — यह संरक्षण कूटनीति का एक उदाहरण है।

### परियोजना का विकास: बातचीत से सहमति तक

- प्रारंभिक चर्चा (2009): वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ गजनेर में कार्यशाला की। इसमें अफ्रीकी चीता को उपयुक्त विकल्प माना गया और हर साल 5–10 चीतों के स्थानांतरण की सिफारिश की गई।

- सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप (2012–2020): मई 2012 में कोर्ट ने इस योजना पर रोक लगा दी, लेकिन जनवरी 2020 में सीमित स्तर पर अनुमति दे दी गई।
- कार्य योजना (2021 से आगे): कोर्ट की मंजूरी के बाद NTCA, WII और मध्यप्रदेश वन विभाग ने "भारत में चीता लाने की कार्य योजना" प्रकाशित की। मई 2023 में एक संचालन समिति बनाई गई।

### *क्यों चुना गया कूनो राष्ट्रीय उद्यान?*

- मध्यप्रदेश स्थित कूनो पहले एशियाई शेर के लिए प्रस्तावित स्थल था। इसे इसलिए चुना गया क्योंकि:
  - o यहाँ **कोर क्षेत्र से सभी गाँवों को हटा** दिया गया है।
  - o **750 किमी² क्षेत्र** में घास के मैदान और जल स्रोत बहाल किए गए हैं।
  - o **चीतल, नीलगाय, ब्लैकबक, चिंकारा** जैसे शिकार प्रचुर मात्रा में हैं।
  - • वैज्ञानिक रूप से 2021 में इसकी **21–27 चीतों** की वहन क्षमता आंकी गई थी।

### *स्थल की उपयुक्तता और पारिस्थितिक अनुकूलता:*

- 2010–21 के बीच WII और राज्य विभागों ने कई स्थानों का मूल्यांकन किया: कूनो, गांधी सागर, मुकुंदरा, नौरादेही, शेरगढ़ और माधव।
- कूनो को वरीयता दी गई क्योंकि वहाँ पहले से गाँवों का पुनर्वास, घास के मैदान, शिकार उपलब्ध और बुनियादी ढांचा मौजूद था।
- यहाँ कुनो नदी उत्तर की ओर बहती है, जो शिकार प्रजातियों के लिए जरूरी घास के मैदानों को बनाए रखती है।
- कार्य योजना के अनुसार, कूनो की कोर ज़ोन में लगभग 748 किमी² क्षेत्र में 21 चीतों के लिए वहन क्षमता आंकी गई थी — हालांकि कुछ विशेषज्ञ इसे भी ज्यादा आशावादी मानते हैं।

### *मुख्य चरण (Action Milestones):*

- **17 सितंबर 2022:** नामीबिया से 8 चीतों का आगमन; कूनो में क्वारंटीन किया गया।
- **18 फरवरी 2023:** दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीतों का आगमन।
- **मई 2023:** NTCA ने संचालन समिति गठित की, जिसमें WII वैज्ञानिक, राज्य वन अधिकारी और तकनीकी साझेदार शामिल थे।
- **अप्रैल–मई 2025:** गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 10 चीतों का पहला स्थानांतरण —***मेटा-पॉपुलेशन रणनीति***की शुरुआत।

### *सामुदायिक भागीदारी (Community Engagement):*

- 51 गांवों से करीब 400 "चीता मित्र" चुने गए — स्कूल शिक्षक, पटवारी, ग्राम प्रधान आदि।
- इन्हें व्यवहार जागरूकता, मुआवज़ा प्रक्रिया और वन्यजीव संवाद पर प्रशिक्षित किया गया।

### *मध्यावधि मूल्यांकन (2022–2024):*

- **जीवित रहने की स्थिति:** 20 वयस्क चीतों में से 8 की मृत्यु (40%) — मुख्य कारण: किडनी फेल्योर, संतानोत्पत्ति से जुड़ी चोटें, गर्मी का तनाव।

- **शावकों का विवरण:** 17 शावकों में से 5 की मृत्यु, 12 जीवित रहे। वर्तमान में 24 चीते (12 वयस्क + 12 शावक) जीवित हैं।
- **गृह-क्षेत्र व्यवहार:** कुछ नर (आशा, गौरव, शौर्य) ने भ्रमण व्यवहार दिखाया, लेकिन अधिकांश को 2023 के मध्य में पुनः बाड़े में रखा गया।
- **प्रारंभिक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव:** सुरक्षा, पशु चिकित्सा मांग बढ़ी; कूनो के आसपास संपत्ति मूल्यों में वृद्धि; कोई मानव-चीता संघर्ष नहीं।

### *प्रमुख परिचालन चुनौतियाँ:*

#### शिकार और आवास संबंधी समस्या:

- 2023–24 में 2200+ चीतल कम हुए — मुख्य कारण: लगभग 90 तेंदुओं की घनी उपस्थिति।
- अब बाघों को लाने की योजना पर विचार हो रहा है ताकि शिकारी संतुलन कायम रहे।
- जून 2025 तक कूनो में 31 से अधिक चीते हो गए — वहन क्षमता (21–27) से अधिक।

#### अंतरराज्यीय समन्वय और कॉरिडोर योजना:

- कुछ चीते राजस्थान के बारां और करौली तक पहुँच गए — नवंबर 2024 में मध्यप्रदेश–राजस्थान के PCCF की संयुक्त समिति इसके लिए बनी।
- प्रस्तावित चीता कॉम्प्लेक्स क्षेत्रफल: लगभग 17,000 किमी²।

#### मानव–वन्यजीव संपर्क और चीता मित्र:

- अप्रैल 2025 का वायरल वीडियो: **"ज्वाला" नामक चीता** एक मित्र के "आओ" आदेश पर पानी पीता दिखा — स्थानीय प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का संकेत।

#### परिवर्तित रणनीति और शासन व्यवस्था:

- संचालन समिति ने 64 किमी² बाड़े (गांधी सागर) में चरणबद्ध रिहाई को मंजूरी दी।
- IVF, वृद्ध चीता स्थानांतरण और ब्लैकबक आयात जैसी योजनाएँ रोकी गईं — डेटा-आधारित निर्णय को प्राथमिकता।

### *अन्य महत्वपूर्ण पहलू और लिंक:*

| विषय | महत्त्व |
|---|---|
| **संविधान और नीति** | अनुच्छेद 48A व वन संरक्षण अधिनियम से जुड़ा; SC के आदेश अनुसार वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया। |
| **पर्यावरण और पारिस्थितिकी** | *ex situ* से *in situ* पुनःस्थापना का उदाहरण; घासभूमि संरक्षण और ट्रॉफिक कैस्केड को दर्शाता है। |
| **अंतरराष्ट्रीय सहयोग** | नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ MoU; CCF के साथ साझेदारी — संरक्षण कूटनीति का उदाहरण। |
| **शासन और संघीय समन्वय** | केंद्रीय–राज्य एजेंसियों की साझेदारी; अंतरराज्यीय कॉरिडोर योजना। |
| **सामाजिक-आर्थिक जुड़ाव** | चीता मित्रों के माध्यम से जनभागीदारी; कोई संघर्ष रिपोर्ट नहीं। |
| **विज्ञान और निगरानी** | उपग्रह ट्रैकिंग, जेनेटिक्स, शावक सर्वाइवल डेटा से रणनीतिक निर्णय लिए जा रहे हैं। |

### *आगे की राह (Way Ahead):*

1. **शिकार पुनर्स्थापना:**बाड़े और कॉरिडोर क्षेत्रों में चीतल, ब्लैकबक, चिंकारा की संख्या बढ़ाना।
2. **मेटा-पॉपुलेशन रणनीति:** 60–70 चीतों का नेटवर्क, 2–4 आरक्षित क्षेत्रों में (जैसे कूनो, गांधी सागर, रानी दुर्गावती)।
3. **अंतर-राज्यीय शासन:**मध्यप्रदेश–राजस्थान के बीच MoU पूर्ण करना; वन विभाग समन्वय मजबूत करना।
4. **पारदर्शिता:**जन्म, मृत्यु, क्षेत्र उपयोग, पर्यटन आय, सामुदायिक प्रतिक्रिया जैसे आँकड़ों का नियमित प्रकाशन।
5. **जन-शासन विस्तार:**चीता मित्र नेटवर्क का औपचारिक शासन ढाँचा बनाना; अन्य गांवों तक विस्तार करना।

### *निष्कर्ष (Conclusion in Hindi):*

- हालाँकि **प्रोजेक्ट चीता** ने शुरुआती उपलब्धियाँ दर्ज की हैं — जैसे संस्थापक चीतों का जीवित रहना, शावकों का जन्म और मानव–वन्यजीव संघर्ष की न्यूनता — लेकिन इसकी वास्तविक सफलता **दीर्घकालिक निरंतरता**पर निर्भर करेगी। प्रारंभिक अटकलों वाली योजनाओं को रोकना इस बात का संकेत है कि अब परियोजना **बहुस्तरीय पारिस्थितिक योजना** की ओर बढ़ रही है।
- भारत की सफलता इस पर निर्भर करेगी कि वह **मेटा-पॉपुलेशन मॉडल**, **आवासीय जुड़ाव (habitat connectivity)**, और **सामुदायिक सहभागिता आधारित अनुकूल शासन (adaptive governance)** को कितनी कुशलता से लागू कर पाता है — यही एकमात्र रास्ता है जिससे ये चीते सिर्फ जीवित ही नहीं, बल्कि भारत के घास के मैदानों के **वास्तविक वन्य राजदूत** बनकर फल-फूल सकें।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

***UPSC Prelims Previous Year Questions :***

**प्रश्न (2012):**

निम्नलिखित में से कौन-से जीव भारत में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं?

1. काले गले वाला सारस
2. चीता
3. उड़ने वाली गिलहरी
4. हिम तेंदुआ

विकल्प:

(a) 1, 2 और 3

(b) 1, 3 और 4

(c) 2 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

**सही उत्तर:** (b)

**प्रश्न (2020):**

निम्नलिखित में से कौन-सा संरक्षित क्षेत्र उस भारतीय बारहसिंगा की उप-प्रजाति के संरक्षण के लिए जाना जाता है जो कठोर भूमि पर पनपती है और विशुद्ध रूप से घास खाने वाली होती है?

1. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
2. मानस राष्ट्रीय उद्यान
3. मुदुमलई वन्यजीव अभयारण्य
4. ताल छप्पर वन्यजीव अभयारण्य

**सही उत्तर:** (1)

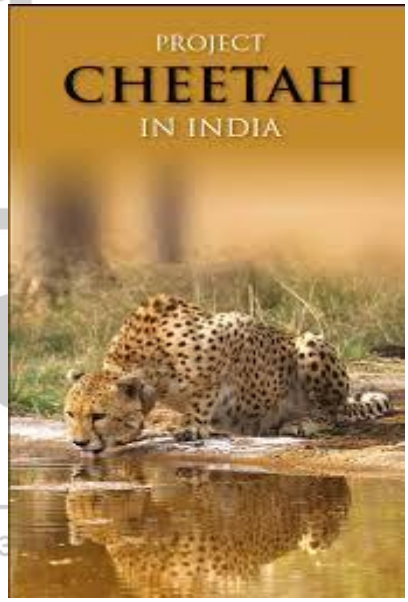


***प्रैक्टिस प्रश्न (Prelims MCQ – हिंदी में):***

**प्रश्न:**दिसंबर 2023 से अप्रैल 2025 के बीच चीता परियोजना संचालन समिति द्वारा किन प्रस्तावों पर चर्चा हुई लेकिन उन्हें अंततः लागू नहीं किया गया?

1. भोपाल स्थित वन विहार ज़ू में वृद्ध चीतों के लिए सरोगेसी (IVF) कार्यक्रम चलाना।
2. प्रजनन में अक्षम वृद्ध चीतों को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित करना।
3. आगरा के सिकंदरा परिसर से ब्लैकबक को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित करना।

**सही उत्तर चुनिए:**

A. 1 और 2

B. 2 और 3

C. 3 मात्र

D. 1, 2 और 3

**सही उत्तर: D**

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट
@resultmitra www.resultmitra.com 923531

***प्रैक्टिस प्रश्न (Mains):***

**प्रश्न:**

"प्रोजेक्ट चीता" का भारत में आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए — इसकी उत्पत्ति, उद्देश्य, उपलब्धियाँ और सीमाएँ स्पष्ट करें।

**(10 अंक, 150 शब्द)**

ResultMitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806